हाली डे एक्सप्रेस का स्टापेज दिए जाने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी। प्रस्तावित अवध एक्सप्रेस के ओखा तक विस्तार में विक्रमगढ़, आलोट, महिदपुर रोड, नागदा जंक्शन और खाचरोद स्टापेज सम्मिलित किए जावें।

वर्तमान में इन्दौर दिल्ली के बीच सप्ताह में तीन दिन चलने वाली रेल गाड़ी को प्रतिदिन चलाया जावे तथा रेल मंत्रालय जनता की सुविधा हेतु समय चक्र में आवश्यक परिवर्तन करे।

(vi) NEED FOR INCREASE IN QUOTA OF FOOD GRAINS TO UTTAR PRADESH

**श्री हरीश रावत** (अल्मोड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, विगत दो वर्षों से केन्द्रीय पूल से उत्तर प्रदेश को आवश्यकता से कम मात्रा में गेहूं व चावल दिए जाने के कारण उत्तर प्रदेश के अधिकांश भागों, विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में अन्नाभाव की स्थिति पैदा हो गई है। इन पर्वतीय जिलों में इनकी आवश्यकता का केवल 10 प्रतिशत अन्न पैदा होता है। शेष अन्न के लिए लोग सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों से विक्रय किए जाने वाले गेहूं व चावल पर निर्भर रहते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इन क्षेत्रों के जनपदों को नाममात्र को गेंहूं व चावल आवंटित किया जा रहा है। एक यूनिट को एक माह में 5 सौ ग्राम से एक किलोग्राम तक चावल व दो किलो गेहूं प्राप्त हो पा रहा है।

यहां के लोग भयंकर कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं। इन क्षेत्रों को अभाव व कमी के क्षेत्र मानकर केन्द्रीय सरकार को राज्य के लिए कुल अनाज के आवंटन के अन्तर्गत अभीष्ट आवश्यक मात्रा निर्धारित कर देना चाहिए। इन क्षेत्रों को योजना आयोग द्वारा भी वित्तीय सहायता आवंटन में विशेष दर्जा दिया गया है।

अतः केन्द्रीय खाद्य मंत्रालय को इन क्षेत्रों हेतु खाद्यान्न का विशेष आवंटन करना चाहिए तथा राज्य को आवंटित खाद्यान्न की मात्रा को बढ़ा कर कम से कम दुगना करना चाहिए।

(vii) DEVELOPMENT OF CHITTORGARH FORTS A TOURIST SPOT

**प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तौरगढ़)** : उपाध्यक्ष महोदय, नियम 377 के तहत पर्यटन विकास को प्रोत्साहन देने की तरफ सरकार का ध्यान मैं आकर्षित करना चाहूंगी। पर्यटक राष्ट्रीय एकता तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव का एक सशक्त माध्यम है। भारत अपने प्राचीन मंदिरों, एतिहासिक स्थलों व विविधतापूर्ण लोक संस्कृति के लिए सदा विदेशियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा है।

देश के कई एतिहासिक स्थल खस्ता हालत में हैं। उसमें चितौड़गढ़ का जग प्रसिद्ध दुर्ग भी है। यहां पर्यटन विकास के लिए किए गए प्रयत्न अपर्याप्त हैं। मैं सरकार से मांग करूंगी कि चितौड़गढ़ के दुर्ग को पर्यटन स्थल बनाने के लिए निम्न सुविधा प्रदान की जाए। वायुदूत सर्विस शुरू की जाए। चितौड़गढ़ के पास सोनियाना में एक हवाई पट्टी बनी है उसको एयरपोर्ट में बदलकर नियमित वायु सेवा से जोड़ा जाए, चाहे सप्ताह में 2 या 3 दिन ही हो।

2. चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर जाने के लिए सुन्दर पहाड़ी स्थल को गार्डन में बदल कर चेयर लिफ्ट से जोड़ा जाए।

3. चितौड़गढ़ के शक्ति और भक्ति के इतिहास को साकार करने के लिए रात्री में साउन्ड और लाइट प्रोग्राम दिखाया जावे जहां पदमिनी का जौहर और पन्ना धाय का त्याग तथा मीरा की भक्ति साकार हो उठे।

4. चितौड़गढ़ दुर्ग पर यात्रियों के ठहरने